'भाजपा के दो नेताओं ने प्रोटैस्ट में पहलवानों की मदद की थी'

साक्षी मलिक ने कहा कि, कुश्ती से जुड़े 90 फीसदी लोगों को पता था कि, कुश्ती संघ के अंदर ये सब चल रहा है, लेकिन बृजभूषण सिंह के दबदबे के कारण कोई आवाज उठाने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था

नई दिल्ली, 17 जून। रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यु.एफ.आई.) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आंदोलन कर रहे पहलवानों में शामिल साक्षी मलिक और उनके पति सत्यव्रत कादियान का वीडियो सामने आया है। इन पहलवानों का कहना है कि वे आंदोलन से जुड़े विवादों पर अपना रुख साफ कर देना चाहते हैं।

सत्यव्रत ने कहा, हमने बार-बार यह बताया है कि हमारी लड़ाई सरकार के खिलाफ नहीं है। हमारी लड़ाई रैसलिंग फेडरेशन के प्रेसिडेंट के खिलाफ है, क्योंकि उसने जो भी शोषण किया है वो पद पर रहने के दौरान किया है। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई सरकार से वैसे भी नहीं हो सकती है, क्योंकि बृजभूषण शरण सिंह भी सत्ताधारी दल से हैं। साथ ही जिन लोगों ने प्रोटेस्ट की परमिशन ली, वो भी बीजेपी के ही लीडर हैं। इससे साफ हो जाता है कि हमारी लड़ाई सरकार के खिलाफ नहीं थी।

सत्यव्रत कादियान ने कहा, हमारे ऊपर आरोप लगा कि हमारा आंदोलन राजनीति से प्रेरित है। ऐसा कहा गया कि कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने हमें इसके लिए उकसाया है। यह सबको पता है कि हम जनवरी में पहली बार जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए आए थे। इस प्रदर्शन की परमिशन बीजेपी के ही दो नेताओं से ली थी। हमारे पास इसका सबूत भी है। ऐसे में यह कैसे हो सकता है कि प्रोटेस्ट कांग्रेस नेताओं ने कराया हो। इस दौरान साक्षी मलिक ने अपने मोबाइल फोन से एक कॉपी भी दिखाई।

पहलवान कादियान ने कहा कि, कुश्ती से जुड़े 90 फीसदी लोगों को पता था कि फैडरेशन के अंदर ये सब चल रहा है। कुछ लोगों ने यह देखा भी था और मीडिया में इसका सबूत भी पेश किया गया। उन्होंने कहा, कई लोग इसके खिलाफ आवाज उठाना चाहते थे मगर रैसलिंग कम्युनिटी के बीच एकता की कमी थी। अगर किसी ने अकेले ही आवाज उठाने की कोशिश की तो यह बात फैडरेशन के प्रेसिडेंट तक पहुंच जाती थी। इसके बाद उस शख्स के करियर में दिक्कत आनी शुरू हो जाती थी।

- **साक्षी मलिक ने कहा, हमारे ऊपर दूसरा आरोप यह भी था कि, हम इतने समय तक चुप क्यों थे। इसके कई कारण हैं। सबसे पहली बात यह कि, एकता की कमी थी। दूसरा कारण रही वो नाबालिग लड़की, जिसने कई बार अपने बयान बदले क्योंकि उसके परिवार को डराया-धमकाया गया। ऐसे में कोई अकेले-अकेले आवाज कैसे उठाता।**

साक्षी मलिक ने कहा, हमारे ऊपर दूसरा आरोप यह भी था कि हम इतने समय तक चुप क्यों थे। इसके कई कारण हैं। सबसे पहली बात यह कि, एकता की कमी थी।

दूसरा कारण रही वो नाबालिग लड़की, जिसने कई बार अपने बयान बदले क्योंकि उसके परिवार को डराया-धमकाया गया। ऐसे में कोई अकेले-अकेले आवाज कैसे उठाता।

एडिशनल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और एडिशनल चीफ इंजीनियर महेश जांगिड़ पर शिकंजा कसा। कार्रवाई के बाद पी.एच.ई.डी. के अधिकारियों में हड़कम्प मच गया। ए.सी.बी. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि, सूत्रों से जानकारी मिली थी कि, एडिशनल चीफ इंजीनियर महेश जांगिड़ कोटा से हर सप्ताह जयपुर जाते हैं। इसके पहले वे कोटा में चल रहे कार्यों की एवज में संवेदकों से कमीशन एकत्रित करते हैं जिसे गाड़ी में अपने साथ ही लेकर जाते हैं। इस सूचना के बाद शुक्रवार शाम को ए.सी.बी. की टीम को बूंदी रोड़ पर तैनात किया गया। पूरे मामले की जिम्मेदारी ए.सी.बी. के निरीक्षक अजीत बागडोलिया को सौंपी गई। ए.सी.बी. की टीम ने बड़गांव चौकी के बाहर उस गाड़ी को रुकवाया जिसमें एडिशनल चीफ इंजीनियर जांगिड़ सवार थे। यह वाहन पी.एच. ई.डी. के लिए अनुबंधित है। जांच करने पर महेश जांगिड़ के पास मौजूद बैग से 8 लाख 10 हजार रुपए मिले। इस बारे में जब महेश जांगिड़ से पूछताछ की गई तो वह संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाऐ। जिसके बाद राशि को जप्त कर लिया गया और महेश जांगिड़ से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही जांगिड़ के आवासीय परिसरों पर भी ए.सी.बी. की टीम को भेजा गया है और तलाशी ली गई है। मूलत: महेश जांगिड़ नागौर जिले के लाडनूं निवासी है और बीते 2 साल से कोटा में पदस्थापित हैं, उनका जयपुर में भी निवास है।

हर कुछ दिनों में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्हें आतंकी कहा गया होता। मौर्य ने पूछा "अब हम इन साधुओं, महंतों तथा धार्मिक नेताओं को क्या कहें- आतंकी, बहुत बड़े दैत्य या जल्लाद?"

यू.पी. में सीट बंटवारे में सपा का पूरा दबदबा चाहते हैं अखिलेश

अखिलेश ने कहा कि, अगर बड़े राष्ट्रीय दलों ने हमें समर्थन दिया तो, यू.पी. की सभी 80 लोकसभा सीटों

लखनऊ, 17 जून। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि, भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. को हराने की ताकत "पी.डी.ए." के पास है।

लखनऊ में एक निजी चैनल के कार्यक्रम में अखिलेश ने कहा कि, अगर बड़े राष्ट्रीय दलों ने हमें समर्थन दिया तो उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर भाजपा हार जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि उनका हमेशा से यह मानना रहा है कि किसी राज्य में कौन सा सहयोगी गठबंधन सबसे मजबूत है, इस पर विचार करते हुए सीटों का बंटवारा तय किया जाना चाहिए. वहीं विपक्षी एकता को लेकर अखिलेश ने कहा कि उनका एकमात्र नारा है, "अस्सी हराओ, भाजपा हटाओ।" 2017 के विधानसभा और 2019 के आम चुनाव में क्रमश: कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन के बारे में बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा एक ईमानदार और मिलनसार गठबंधन सहयोगी रही है। उन्होंने कहा कि सपा जहां भी गठबंधन में रही है, आपने हमें सीटों के लिए लड़ने के बारे में नहीं सुना होगा। अखिलेश ने यू.पी. की भाजपा सरकार पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह विकास करने में नाकाम रही है जबकि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी है। अखिलेश यादव इन दिनों उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई राजनीतिक इबारत लिखने की कवायद में जुटे हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में बीजेपी को सत्ता से हटाने के लिए नया फॉर्मूला दिया है। उन्होंने "पी.डी.ए." का जिक्र किया है. पी.डी.ए. यानी (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक)।

- **अखिलेश यादव यू.पी. में लोकसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से जुट गये हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए उन्होंने नया, "पी.डी.ए." फॉर्मूला दिया। पी.डी.ए. यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक, उनका कहना है कि, ये तीनों साथ हो जायें तो यू.पी. की सभी अस्सी सीटों पर भाजपा हार जायेगी।**

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव अब आदिवासी वोट बैंक साधने की जुगत में लगे हुए हैं। वह 24 जून को मध्य प्रदेश सीमा में आने वाले चित्रकूट दौरे पर हैं, जहां वह एक तीर से दो निशाने साधने के साथ आदिवासी समाज को एम.पी. चुनाव और लोक सभा चुनाव दोनों में ही अपनी तरफ करने के प्रयास में हैं। देश में मुस्लिमों की आबादी 16.51 फीसदी है तो यू.पी. में करीब 20 फीसदी मुसलमान यानी 3.84 करोड़ है। पूर्वांचल कुछ हिस्सों में मुसलमान हैं तो पश्चिमी यू.पी. में मुसलमानों की बड़ी तादाद है। पश्चिमी यू.पी. में 26.21 फीसदी आबादी मुसलमानों की है। सूबे के 7 जिलों में मुसलमानों की आबादी 40 फीसदी से ज्यादा है, इन्हीं सात जिलों में से छह जगह पर मुस्लिम सांसद 2019 में चुने गए थे। 2022 के चुनाव में बीजेपी को इन्हीं जिलों में सपा से सियासी मात खानी पड़ी है।

वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा की सामान्य ज्ञान परीक्षा निरस्त

अजमेर, 17 जून (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) परीक्षा-2022 के अन्तर्गत ग्रुप-ए तथा ग्रुप-बी सामान्य ज्ञान विषय की परीक्षाओं को निरस्त कर दिया गया है।

संयुक्त सचिव आशुतोष गुप्ता ने बताया कि आयोग द्वारा प्रकरण संख्या 227/2022 के तहत एस.ओ.जी. (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) से प्राप्त रिपोर्ट पर विचार विमर्श के बाद 21 दिसंबर 2022 को आयोजित सामान्य ज्ञान ग्रुप-ए तथा 22 दिसंबर 2022 को आयोजित सामान्य ज्ञान ग्रुप-बी की परीक्षाओं को निरस्त करने का निर्णय लिया है।

- **यह पेपर आर.पी.एस.सी. सदस्य बाबू लाल कटारा ने आउट करवाया था। अब यह परीक्षा 30 जुलाई को होगी।**

इन परीक्षाओं का पेपर आर.पी.एस.सी. सदस्य बाबूलाल कटारा ने लीक किया था, जिन्हे व अन्य आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अब 30 जुलाई 2023 को सुबह सत्र में ग्रुप-ए तथा सायं सत्र में ग्रुप-बी के सामान्य ज्ञान विषय की परीक्षाओं का पुन: आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम यथा समय घोषित कर दिया जाएगा।

'सुभाष चंद्र बोस जिंदा होते तो भारत का बंटवारा कभी नहीं हुआ होता'

- **अजीत डोभाल ने सुभाष चंद्र बोस का नाम लेकर भारत के विभाजन पर यह विवादित टिप्पणी की।**
- **अजीत डोभाल ने कहा है कि, नेताजी ने अपने जीवन के विभिन्न चरणों में दुस्साहस दिखाया और गांधी को चुनौती देने का दुस्साहस किया। उन्होंने कहा, लेकिन गांधी अपने राजनीतिक करियर के शीर्ष पर थे। फिर बोस ने इस्तीफा दे दिया और जब वह कांग्रेस से बाहर आए तो उन्होंने नए सिरे से अपना संघर्ष शुरू किया।**

नई दिल्ली, 17 जून। नैशनल सिक्यूरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल ने कहा है कि, अगर नेताजी सुभाष चंद्र बोस जिंदा होते तो भारत का बंटवारा नहीं हुआ होता। डोभाल ने शनिवार को एसोचैम द्वारा आयोजित पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए यह बात कही। डोभाल ने अपने व्याख्यान में कहा कि नेताजी ने अपने जीवन के विभिन्न चरणों में दुस्साहस दिखाया और गांधी को चुनौती देने का दुस्साहस किया। उन्होंने कहा, लेकिन गांधी अपने राजनीतिक कॅरियर के शीर्ष पर थे। फिर बोस ने इस्तीफा दे दिया और जब वह कांग्रेस से बाहर आए तो उन्होंने नए सिरे से अपना संघर्ष शुरू किया। डोभाल ने कहा कि मैं अच्छा या बुरा नहीं कह रहा हूं, लेकिन भारतीय इतिहास और विश्व इतिहास में ऐसे लोगों की तुलना बहुत कम है, जिन्होंने वर्तमान के खिलाफ आगे बढ़ने का दुस्साहस किया था, न कि आसान धारा के खिलाफ। उन्होंने कहा कि नेताजी अकेले व्यक्ति थे, जापान के अलावा उनका समर्थन कोई देश नहीं था। अजीत डोभाल ने कहा कि उनके दिमाग में विचार आया कि मैं अंग्रेजों से लडूंगा, मैं आजादी के लिए भीख नहीं मांगूंगा। यह मेरा अधिकार है और मुझे इसे हासिल करना होगा। सुभाष बोस के रहते भारत का बंटवारा नहीं होता। जिन्ना ने कहा था कि मैं केवल एक नेता को स्वीकार कर सकता हूं और वह सुभाष बोस हैं। उन्होंने कहा कि एक सवाल अक्सर दिमाग में आता है कि जीवन में हमारे प्रयास मायने रखते हैं या परिणाम। कोई भी सुभाष चंद्र बोस पर महान प्रयासों पर संदेह नहीं कर सकता है, गांधी भी उनके प्रशंसक थे। लेकिन लोग अक्सर आपको उन परिणामों से आंकते हैं, जो आपके काम से आए हैं। तो क्या सुभाष बोस की कोशिश बेकार हो गई? डोभाल ने कहा कि बोस का संयुक्त भारत का नजरिया उनके प्रसिद्ध नारे कदम कदम बढ़ाए जा में समाहित है। उन्होंने कहा कि बोस ने लोगों को अपने देश के लिए लड़ने, स्वतंत्रता पाने के लिए एकजुट होने की प्रेरणा दी। एन.एस.ए. ने कहा कि बोस एक धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति थे और वह अत्यधिक धार्मिक थे। डोभाल ने कहा कि जब 1928 में लोगों में बात होने लगी कि आजादी के लिए कौन लड़ेगा, तो बोस आगे आए। वह बोले कि लोगों की राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मानसिकता बदलने की जरूरत है। उन्हें स्वतंत्र पक्षियों की तरह महसूस करने की जरूरत है। एन.एस.ए. ने कहा कि उनकी मौत के बाद भी मुझे नहीं पता कि कब-हम राष्ट्रवाद के विचारों से डरते हैं, जो विचार उन्होंने पैदा किए और कई भारतीय उस रास्ते पर चले गए होंगे।

यू.एन. मुख्यालय में 180 देशों के लोगों को योग करायेंगे मोदी

नई दिल्ली, 17 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में 21 जून को होने वाले योग दिवस समारोह में 180 से अधिक देशों के लोग भाग लेंगे। भाग लेने वालों में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल होंगे। इनमें, राजनयिक, कलाकार, शिक्षाविद और उद्यमी शामिल होंगे। हर साल 21 जून तो अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। योग के लाभ को देखते हुए दिसंबर, 2014 में यूनाइटेड नेशंस (यू.एन.) ने 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इस दिवस का लक्ष्य योगाभ्यास के अनेक लाभ के बारे में दुनियाभर में जागरुकता फैलाना है। प्रधानमंत्री 21 जून को नौवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर यहां पहली बार संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में योग सत्र का नेतृत्व करेंगे। कार्यक्रम को लेकर जारी एक परामर्श में कहा गया है, "नौवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि आपको प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग सत्र में हिस्सा लेने के लिए सादर आमंत्रित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने नौ साल पहले पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के वार्षिक आयोजन का प्रस्ताव रखा था, उसके बाद यह पहली बार होगा जब वह संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में योग सत्र का नेतृत्व करेंगे, यह एक ऐतिहासिक दिन होगा। योग सत्र 21 जून को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के 'नॉर्थ लॉन' में सुबह आठ बजे से नौ बजे तक होगा, जहां महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा स्थापित है।

- **प्र.मंत्री मोदी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर पहली बार यू.एन.में योग सत्र का नेतृत्व करेंगे।**

'कांग्रेस मुक्त भारत की नई रणनीति काफी रोचक लगती है'

'आप कहते हैं दिल्ली और पंजाब छोड़ दो, अखिलेश यादव कहते हैं यू.पी. छोड़ दो, ममता बनर्जी कहती हैं बंगाल छोड़ दो, के.सी.आर. चाहते हैं कि तेलंगाना छोड़ दो, जगन रेड्डी चाहते हैं आंध्रा छोड़ दो, स्टालिन कहते हैं तमिलनाडु छोड़ दो, किसी दिन शरद पवार कहेंगे कि महाराष्ट्र भी छोड़ दो'

- **कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने विपक्षी एकता की कवायद पर यह कटाक्ष किया।**
- **अपने इस ट्वीट में आचार्य प्रमोद ने सभी प्रमुख नेताओं को टैग किया है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी को भी टैग किया है।**

नई दिल्ली, 17 जून। विपक्षी एकता के संबंध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कुछ ऐसा ट्वीट किया जो देखते ही देखते वायरल हो गया है।

अपने इस ट्वीट में प्रमोद कृष्णम ने विपक्षी एकता को लेकर विभिन्न दलों द्वारा लगाई जा रही शर्तों का जिक्र किया है। साथ ही यह भी लिखा है कि यह विपक्षी एकता है या कांग्रेस मुक्त भारत का नूतन स्वरूप।

गौरतलब है कि विपक्षी एकता को लेकर कांग्रेस और अन्य दलों के नेता जोर-शोर से लगे हुए हैं। नीतीश कुमार तो विपक्ष की बैठक को लेकर तारीख पर तारीख का ऐलान किए जा रहे हैं। वहीं, कई दल ऐसे हैं जो विपक्षी एकता का हिस्सा तो बनना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने अपनी शर्तें लाद रखी हैं। प्रमोद कृष्णम ने लिखा है कि 'आप' कहते हैं दिल्ली और पंजाब छोड़ दो, अखिलेश यादव कहते हैं यू.पी. छोड़ दो, ममता बनर्जी कहती हैं बंगाल छोड़ दो, के.सी.आर. चाहते हैं कि तेलंगाना छोड़ दो, जगन रेड्डी चाहते हैं आंध्रा छोड़ दो, स्टालिन कहते हैं तमिलनाडु छोड़ दो, किसी दिन शरद पवार कहेंगे कि महाराष्ट्र भी छोड़ दो। इसके आगे प्रमोद कृष्णम ने लिखा है कि ये विपक्षी एकता है या कांग्रेस मुक्त भारत का नूतन स्वरूप। अपने इस ट्वीट में आचार्य प्रमोद ने सभी प्रमुख नेताओं को टैग किया है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी को भी टैग किया है। गौरतलब है कि विपक्षी एकता को लेकर कांग्रेस पूरा जोर लगा रही है। इसको लेकर नीतीश कुमार ने 23 जून को विपक्ष की बैठक बुलाई है। इसको लेकर ममता बनर्जी के सुर भी लगातार बदल रहे हैं। पहले तो ममता ने कांग्रेस के साथ आने से मना कर दिया था। बाद में वह इस शर्त पर सहमत हुईं कि जिन राज्यों में जो पार्टियां मजबूत हैं, कांग्रेस वहां उन पार्टियों को सपोर्ट करे। वहीं, कल ममता ने कहा कि वह कांग्रेस को एक ही शर्त पर समर्थन देंगी, जब वह सी.पी.एम. से समर्थन वापस लेगी। कुछ ऐसा ही हाल अलग-अलग राज्यों में है, जहां विभिन्न दल कांग्रेस को जमकर साध रहे हैं।

तमिलनाडू में बदले की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया जिसने उन्हें एक जुलाई तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

भाजपा नेता की गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए राजनैतिक विश्लेषक सुमंत सी. रमन ने कहा कि एक ट्वीट के लिए गिरफ्तार करना निंदनीय है मेरे विचार से उस ट्वीट में ऐसा कुछ नहीं जिसके आधार पर गिरफ्तारी को जायज ठहराया जा सके। जो लोग अभिव्यक्ति को स्वतंत्रता पर बड़ी-बड़ी बाते करते है वे खुद इसका गला घोंट रहे हैं।

गिरफ्तारी की निंदा करते हुए तमिलनाडू भाजपा के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा कि भाजपा के राज्य सचिव एस.जी. सूर्या की गिरफ्तारी निंदनीय है। उनकी एकमात्र गलती द्रमुक के सहयोगियों, वामपंथियों के घटिया दोहरे मानदंडों को उजागर करना थीं। अन्नामलाई ने आरोप लगाया कि राज्य में लोकतंत्र नहीं बचा है। मुख्यमंत्री सरकारी तंत्र के जरिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला घोट रहे है। अन्नामलाई ने कहा कि "मामूली आलोचना में भी गुस्सा हो जाना लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित नेता को शोभा नहीं देता। बेशक यह निरंकुश होने की निशानी है।"

एक अन्य भाजपा नेता ने कहा इससे भले ही कुछ ना हो पर सूर्या लोकप्रिय बन रह हैं। इस गिरफ्तारी से भाजपा का भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान नहीं रुकेगा। अन्नामलाई ने कहा ये गिरफ्तारियां हमें नहीं रोक पाएंगी। हम कड़वा सच बोलते रहेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सी.टी. रवि ने तमिलनाडु में चल रही बदले की राजनीति की निंदा की व कहा कि तमिलनाडू में उनके सहयोगी को राजनैतिक बयान के लिए गिरफ्तार किया गया है। मुझे यकीन है उन्हें अदालत से न्याय मिलेगा।

सी.डब्ल्यु.सी. में नियुक्ति के लिये...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनने की जबरदस्त कोशिश कर रहे हैं। खड़गे के पास इस समय दो पद हैं, जबकि उदयपुर चिंतन शिविर घोषणा में "एक व्यक्ति, एक पद" की नीति पर जोर दिया गया था।

ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने, कर्नाटक चुनाव का मुख्य रणनीतिकार होने के नाते, स्वयं को कर्नाटक-विजय का शिल्पी घोषित कर रखा है।

अब वे के.सी. वेणुगोपाल के स्थान पर ए.आई.सी.सी. महासचिव के रूप में संगठन प्रभारी बनना चाहते हैं। वे बाकायदा पार्टी में दूसरे नम्बर का पद पाने के लिए प्रियंका गांधी तथा मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ जबरदस्त लॉबिइंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि राहुल गांधी ने खड़गे के समक्ष यह बात साफ-साफ रख दी है कि वेणुगोपाल नहीं बदले जाने हैं।

उत्तर प्रदेश लॉबी प्रियंका एवं वेणुगोपाल को पार्टी उपाध्यक्ष बनवाने की कोशिश में है लेकिन इन पदों के दावेदार के रूप में कुछ अन्य नेता भी हैं।

राहुल गांधी गुजरात से बाबरिया के रूप में समाजवादी विचारधारा वाले व्यक्ति को नियुक्त कराने के पक्ष मे हैं। पुराने सोशलिस्ट मोहन प्रकाश भी किसी लाभदायक पद पाने वालों की कतार में है।

अजय माकन भी राहुल गांधी के ऐसे ही एक अन्य प्रिय नेता हैं, जो शक्ति सिंह गोहिल को दिल्ली से हटाकर वापस गुजरात भेजने में सहायक रहे थे। वे भी किसी महत्वपूर्ण पद नियुक्ति के इच्छुक लोगों की कतार में हैं। लोकसभा चुनावों के प्रबंधन के लिये एक केन्द्रीय चुनाव समिति भी गठित होनी है। माकन की नजर उस कमेटी के अध्यक्ष पद पर जमी है।

राहुल के दफ्तर में कार्यरत उनके दो प्रमुख सहायक वीजू तथा अलंकार भी विभिन्न नेताओं के लिये जोर लगा रहे हैं तथा नियुक्तियों एवं नियुक्तियों की आशाओं पर पानी फेरने के मामले में मुख्य भूमिका अदा कर रह हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "राहुल जो प्रस्तावित करते हैं, खड़गे विनम्रतापूर्वक उससे इनकार कर देते हैं तथा खड़गे के प्रस्तावों के साथ राहुल का रवैया भी यही रहता है।"

लेकिन तजुर्बा बताता है कि अधिकांशत: तो वही होगा, जो राहुल चाहेंगे क्योंकि पर्दे के पीछे से पार्टी की लगाम उन्हीं के हाथ में है।

राहुल अगले सप्ताह स्वदेश लौटेंगे और तभी असली चर्चाएं होंगी क्योंकि खड़गे चाहते हैं कि टीम, 24 एकजुट होकर काम करें।

बंगाल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार और राज्य चुनाव आयोग का यह कदम सुनियोजित था और इसलिए उन्होंने भी हाई कोर्ट के आदेश के तुरंत बाद सर्वोच्च न्यायालय में कैवीएट दायर किया था।

पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि, शायद गुरुवार को राज्य चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा ने कहा था कि, चूँकि मुख्यमंत्री कार्यालय से उनके पास कोई स्पष्ट निर्देश नहीं आए हैं इसलिए वो हाई कोर्ट के आदेश का पालन करेंगे। चौधरी ने कहा कि, अब जबकि आदेश आ गए हैं तो (राजीव सिन्हा) पलट गए हैं। हाई कोर्ट ने विपक्ष के तर्कों को स्वीकार कर लिया है, और इसलिए राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट की शरण में गई है, राज्य में सशस्त्र बलों की तैनाती रुकवाने के लिए।

पटना सम्मेलन में आपसी-तू-तू मैं-मैं पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लड़ाई तथा ऐसे ही अन्य मुद्दे, जिन पर आर.एस.एस.-संचालित भाजपा का सामना किया जा सके।

ऐसी भी संभावना है कि नेतागण इस बात पर भी विचार-विमर्श करेंगे कि विपक्षी एकता को राष्ट्र स्तर से लेकर राज्य स्तर तक कैसे ले जाया जाये तथा भाजपा विरोधी वोटों का एकत्रीकरण कैसे किया जाये। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "अंतत:, एकता का जो भी स्वरूप होगा, हमें उससे राज्य स्तर पर भी काम लेना है तथा इसके लिये पूरी रूपरेखा तैयार करनी होगी।"

जहां दलों के एक वर्ग ने छोटी-मोटी कमेटियां गठित करने की बात चलाई है, वहीं कुछ नेताओं ने ऐसी किसी भी कोशिश पर आपत्ति की है क्योंकि ऐसा करने से, इस प्रकार के पेनलों में सीटों के प्रतिस्पर्द्धी दावे होंगे तथा इस प्रकार ऐसा करना नुकसानदायक रहेगा। मीटिंग में उपस्थित होने वाले उल्लेखनीय नेताओं में शामिल हैं-कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा राहुल गांधी एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार, तमिलनाडू, पश्चिम बंगाल, झारखंड तथा दिल्ली के मुख्यमंत्रीगण-एम.के. स्टालिन, ममता बनर्जी, हेमन्त सोरेन तथा अरविन्द केजरीवाल, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, सी.पी.एम. तथा सी.पी.आई. के महासचिव सीताराम येचुरी तथा डी.राजा, राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू यादव भी मीटिंग में शामिल होंगे। इस बीच, अखिलेश यादव ने आज कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा को हराने का उनका फॉर्मूला है-"पी.डी.ए."। उन्होंने लखनऊ की एन.डी.टी.वी. कॉन्क्लेव में कहा कि "पी.डी.ए." अर्थात पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक मिलकर एन.डी.ए. को हरा देंगे। अगले वर्ष होने वाले आम चुनावों के लिये विपक्ष के संगठित मोर्चे को लेकर उनकी पार्टी के विचार से संबंधित सीधे प्रश्नों का गोल-मोल जवाब देते हुये उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिये उनका एकमात्र नारा है-"80 को हराओ, भाजपा को हटाओ"। अखिलेश यादव ने कहा कि अगर बड़ी राष्ट्रीय पार्टियां हमें सहयोग दें, तो भाजपा सभी 80 सीटों पर हार जायेगी। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि उनका हमेशा ही यह मानना रहा है कि सीटों के बंटवारे में यह बात हमेशा ध्यान में रहनी चाहिए कि किस राज्य में गठबंधन को कौनसा पार्टनर सबसे ज्यादा मजबूत है। अपने पत्ते न खोलते हुये, यादव ने कांग्रेस तथा मायावती की बसपा के साथ राज्य तथा राष्ट्रीय चुनावों में अपनी पार्टी के पूर्ववर्ती गठबंधनों का जिक्र किया तथा कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव ही एक ईमानदार समायोजन करने वाली गठबंधन पार्टनर रही है।

'मणिपुर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्थव्यवस्था चौपट है, बरसात का मौसम आ गया है और लोग राहत शिविरों में त्रस्त है, मुर्दाघरों के शव पड़े हैं। केन्द्रीय नेतृत्व को तय करना है कि राष्ट्रपति शासन लगे या नहीं पर हम राज्य में जल्द से जल्द शांति चाहते हैं। इसके अलावा दस पार्टियों का एक प्रतिनिधि मंडल भी दिल्ली में है ओर मोदी व राष्ट्रपति से मिलना चाहता है। मणिपुर के 6 छात्र संगठनों ने मणिपुर के 50 विधायकों, जिसमें दस नगर विधायक शामिल हैं, से कहा है कि वे दिल्ली जाएं और कुकी उग्रवादियों के खिलाफ आवाज उठाएं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908